भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
02.04.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 5173 का उत्तर

रेलवे के लिए मिशन अमृत सरोवर

5173. श्री टी. एम. सेल्वागणपति:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या रेलवे ने सरकार के मिशन अमृत सरोवर के अंतर्गत तालाब खोदने का निर्णय लिया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि सरकार रेललाइनों के आस-पास उपयुक्त स्थलों पर चिन्हित जल निकायों से गाद निकालने, खुदाई करने अथवा नए जल निकायों का निर्माण करने का कार्य करेगी, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का इस संबंध में जिला प्रशासन के साथ मिलकर कार्य करने का प्रस्ताव है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार की 15 अगस्त, 2025 तक पर्याप्त संख्या में तालाबों के पुनरुद्धार अथवा निर्माण का कार्य पूरा करने की योजना है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): मिशन अमृत सरोवर को अप्रैल 2022 में शुरू किया गया था, जिसका महत्वाकांक्षी लक्ष्य देश के प्रत्येक जिले में 75 अमृत सरोवरों (तालाबों) का निर्माण/पुनरुद्धार

करना है। इस मिशन के कार्यान्वयन के लिए दिशा-निर्देश रेलवे सहित सरकार के विभिन्न मंत्रालयों द्वारा संयुक्त रूप से जारी किए गए थे।

मिशन अमृत सरोवर के कार्य राज्यों और जिलों द्वारा सरकार की चल रही विभिन्न योजनाओं के साथ मिलकर किए गए हैं। इस मिशन ने जल संकट के गंभीर मुद्दे का समाधान करने और विभिन्न क्षेत्रों में सतही और भूजल उपलब्धता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन सरोवरों ने न केवल तात्कालिक जल आवश्यकताओं को पूरा किया है, बल्कि स्थायी जल स्रोत भी स्थापित किए हैं, जो दीर्घकालिक पर्यावरणीय स्थिरता और सामुदायिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

इस मिशन के तहत, देशभर में 72 अमृत सरोवरों से निकाली गई लगभग 21 लाख घन मीटर मिट्टी/भूमि का उपयोग नए रेलपथों के निर्माण के लिए किया गया था।

अब, मिशन अमृत सरोवर का चरण II शुरू किया गया है और रेलवे और ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से दिशानिर्देश जारी किए गए हैं और इसमें सामुदायिक भागीदारी (जनभागीदारी) के साथ जल उपलब्धता सुनिश्चित करने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने की परिकल्पना की गई है, और इसका उद्देश्य जलवायु सहिष्णुता को मजबूत करना, पारिस्थितिक संतुलन को बढ़ावा देना और भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्थायी लाभ प्रदान करना है।

मिशन के दूसरे चरण के अंतर्गत, रेलवे ने जिला प्राधिकारियों के साथ समन्वय से नए अमृत सरोवरों के स्थान को चिह्नित करने का कार्य शुरू कर दिया है, जहां से निकाली गई मिट्टी को रेल परियोजनाओं/कार्यों के निर्माण के लिए लिया जा सकता है।

******